चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	17-10-2021		

एचएयू ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला पहला विश्वविद्यालय बना

● एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-टैक्टर

हिसार, 17 अक्तूबर (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इलैक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कालेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह टैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आमदनी में काफी भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डा. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया। इस अवसर पर श्री एम. एल. मेहता, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी तथा श्री विकास गोयल, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डा. अमरजीत कलेरा, डीन इंजीनियरिंग कालेज, डा. एस. के. सहरावत, निदेशक अनुसंधान, डॉ. अतुल ढींगरा, डीन पी.जी.एस. और डा. विजया रानी, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग ने बैटरी से चलने वाला ट्रैक्टर के विकास की सराहना की।

कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज, वैज्ञानिकों द्वारा विकसित ई-ट्रैक्टर के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टुडे न्यूज	18-10-2021		

एचएयू ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला पहला विश्वविद्यालय बना

एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-ट्रैक्टर

टुडे न्यूज । हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 60 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आमदनी में काफी भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के परफॉर्मेंस की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। इस बैटरी को 09 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। उनके अनुसार ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 60 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इसमें फ्रास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ड्राबार पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कंपन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन ना होने के कारण वनिश भी पैदा नहीं होती जो ऑपरेटर के लिए बिलकुल आरामदायक साबित होगा।

उनके अनुसार डीजल के बढ़ते हुए दामों को देखते हुए यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा जिससे उनकी आमदनी में भी इजाफा होगा। इस अवसर पर श्री एम. एल. मेहता, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी तथा श्री विकास गोयल, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. अमरजीत कालरा, डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एस. के. सहरावत, निदेशक अनुसंधान, डॉ. अतुल ढींगरा, डीन पी.जी.एस और डॉ. विजया रानी, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग ने बैटरी से चलने वाला ट्रैक्टर के विकास की सराहना की।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज, वैज्ञानिकों द्वारा विकसित ई-ट्रैक्टर के साथ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	18-10-2021		

एचएयू ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बना

उपलब्धि : एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-ट्रैक्टर

खास बातें संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा विकसित ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 14.3 किलोवाट की मोटरी से चालित है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत कम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.12 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन भार के ट्रेलर के साथ 32 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों को आसानी से कामों की इजाजत होगा। यह अनुसंधान राष्ट्रीय कृषि कार्यबल और पशु इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं कुलपति जैसे के सहयोगियों से पूरा की गई है।

कार्यबल निदेशक, उनकी बोले कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. सुभाष जैन के सहयोगियों से पूरा की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज को प्रशंसा की और भविष्य में ऐसी प्रकार विकास हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

ये है ट्रैक्टर की खासियत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के पावरट्रेन को चार्ज की जाने की इसकी 14.3 किलोवाट लगाने की विशेषता लगाया मोटरी का इस्तेमाल किया गया। इस मोटरी को 59 वोट से कुल चार्जर किया जा सकता है। इस दौरान 14 से 20 कुमार किलोमीटर की यात्रा होती है। इसके अनुसार ट्रैक्टर 1.5 टन भार के ट्रेलर के साथ 32 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इसमें पावर स्टीयरिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी वजह से ट्रैक्टर को मोटरी सहज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। ट्रैक्टर में सामान्य 27 हॉर्सपावर का इंजन लगा है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के विषय में यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 33 प्रतिशत और 21.72 प्रतिशत कम आती है। ट्रैक्टर में बजाज और लोहा की चार की जगह दो इकाई 12 प्रतिशत कम्पन और 20.12 प्रतिशत शोर को कंट्रोल करता है। अधिकतम आयतित सीमा से काम चलाया गया। ट्रैक्टर में अतिरिक्त के साथ ट्रेलर ले होने के कारण चालित भी दिया गया। लोगों को अतिरिक्त के लिए बिजलीघर आवश्यकता व्यवस्थित होगा। इसके अनुसार डीजल के बढ़ते हुये दामों को देखते हुये यह ट्रैक्टर किसानों के लिए बहुत किसानों व्यवस्थित होगा ट्रैक्टरों उपलब्धि में भी इजाजत होगा। इस अवसर पर मुख्यतः पेशल, मुख्य निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, कुरुक्षेत्र डॉ. विकास गोयल, मोटरी संचालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. अजमेर चौधरी, डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एस. के. नारायणन, निदेशक अनुसंधान, डॉ. अशुल सैनी, डीन पी.जी.एस. और डॉ. विकास रानी, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग के मोटरी से चलने वाला ट्रैक्टर के विकास की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल–पल न्यूज	18-10-2021		

एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-ट्रैक्टर

पल पल न्यूज: हिसार, 17 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आमदनी में काफी भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं अनुसंधान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

ये है ट्रैक्टर की खासियत : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के परफोर्मेन्स की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। इस बैटरी को 09 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। उनके अनुसार ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते है। ट्रैक्टर में लगभग 77 प्रतिशत का कुशल पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कपलन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर ओआईएस कोड की अधिकतम अनुमोद सीमा से कम पाया गया। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन ना होने के कारण सर्दियों भी पैदा नहीं होती जो ऑपरेटर के लिए बिलकुल अनुकूलदायक साबित होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Hayat Digital News	18-10-2021		

(HTTPS://WWW.NEWSNCR.COM/NATIONAL/)

Haryana Agricultural University has developed an electric tractor, how much will it cost cheaper than a diesel one?

October 17, 2021 20 views 0 (https://www.newsncr.com/national/haryana-agricultural-university-has-developed-an-electric-tractor-how-much-will-it-cost-cheaper-than-a-diesel-one/)

news ncr
(https://www.newsncr.com/)

Electric tractor developed by agricultural scientists of HAU,

Amidst the daily increase in diesel prices, agricultural scientists have started looking for cheaper alternatives for the farmers. The tractor industry, which is the most used machinery in farming, will see a big change in the coming days. One such change is the electric tractor. On which many companies are working these days. In this episode, scientists of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar have also developed an electric tractor. It is claimed that it will be up to 25 percent cheaper than the diesel tractor.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Hayat Digital News	18-10-2021		

October 18, 2021

Agricultural University launches e-tractor, will run 80 km in one time charging

By Hayat

Narendra Khapaliya / Hisar

Hisar, October 17

Scientists of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) have developed the e-tractor. The battery of this e-tractor will be fully charged in 9 hours and the tractor will be able to cover a distance of 80 kilometers. HAU has become the first agricultural university to conduct research on electric tractors. The University's College of Agricultural Engineering and Technology has designed the e-tractor. On the occasion of the launch of the tractor, ML Mehta, former Director, Central Agricultural Machinery Training and Testing Institute Budni, Vikas Goel, manufacturer of battery operated tractor, Dr. Amarjit Kalra, Dean Engineering College, Dr. SK Hasweet, Director Research and other scientists were present. Talking about the cost of operation of e-tractor, it is 32 percent and 25.72 percent cheaper than diesel tractor. In terms of vibration and noise in the tractor, 52 percent vibration and 20.52 percent noise were found to be below the maximum permissible limit of BIS code. It does not even heat up due to the absence of an engine.

would be beneficial for farmers

University Vice Chancellor Prof. BR Kamboj said that this e-tractor can run at a maximum speed of 23.17 kmph. This tractor will be very economical for the farmers. He praised this new discovery of the scientists and stressed on doing similar farmer friendly research in future.

Here are the features

A 16.2 kWh lithium-ion battery was used. The battery can be fully charged in 9 hours. Due to which 19 to 20 units of electricity is consumed. Not only this, the e-tractor can travel up to 80 km with a trailer weighing 1.5 tonnes. In which the option of fast charging is also available, with the help of which the tractor's battery can be charged in just 4 hours. This tractor has an impressive drawbar pull of 77 percent. Farmers will get cheaper. Its design is very good. Will give a lot of comfort to the farmers in running.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18.10.21	7	1-5

तकनीक : 30 पुर्जों से बना ई-ट्रैक्टर, रफ्तार@23 किमी. प्रति घंटा

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। महज 30 पुर्जों, 23 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार और 160 रुपये में चार्जिंग जैसी सुविधाओं से युक्त ई-ट्रैक्टर किसानों के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। एचएयू ने इस ई-ट्रैक्टर की रविवार को लॉन्चिंग की।

ई-टैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत 25 फीसदी कम है। प्रेसवार्ता के दौरान कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर में अगर किसी तरह का कोई फॉल्ट आता है तो बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम खुद ही सप्लाई काट देगा, जिससे ई-ट्रैक्टर बंद हो जाएगा।

ई-ट्रैक्टर पर बैठे एचएयू के कुलपति बीआर कांबोज व अन्य अधिकारी। संवाद

6 लाख रुपये की कीमत, अन्य ट्रैक्टरों की तुलना में 52 प्रतिशत कम कंपन

ई-ट्रैक्टर की खासियत यह है कि डीजल के ट्रैक्टर की तुलना में यह 52 प्रतिशत कम कंपन और 21 प्रतिशत शोर कम करता है। हालांकि अभी तक ई-ट्रैक्टर कीमत साढ़े 6 लाख रुपये है। जबकि डीजल ट्रैक्टर की कीमत साढ़े 4 लाख रुपये है, लेकिन अगर छह सालों की बात करें तो डीजल ट्रैक्टर में तेल का खर्चा और ई-ट्रैक्टर में चार्जिंग का खर्चा जोड़ा जाए तो 25 प्रतिशत सस्ता ई-ट्रैक्टर मिलेगा।

इस मौके पर कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश जैन, डॉ. अमरजीत कालरा, डॉ. एसके सेहरावत, डॉ. अतुल डींगरा, डॉ. विजया रानी, एमटेक छात्र वेंकटेश शिंदे मौजूद रहे।

ई-ट्रैक्टर पर शोध करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना एचएयू, अन्य ट्रैक्टरों के मुकाबले में खर्चा 25% कम

20 यूनिट बिजली की खपत, 9 घंटे में फुल चार्ज

ई-ट्रैक्टर में लगी बैटरी 16.2 किलोवाट की लिथियम आयन बैटरी है। इसमें 72 वोल्टेज की डीसी मोटर है जोकि 2 हजार चक्कर प्रति मिनट तक संचालित होती है। वैसे तो ई-ट्रैक्टर को 9 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। लेकिन अगर फास्ट चार्जिंग की सुविधा होने से इसी ई-ट्रैक्टर को 4 घंटे में भी चार्ज किया जा सकता है।

ये हैं अन्य खासियत

- संचालन के लिए डीजल ईंधन की खपत नहीं होती।
- डीजल इंजन ट्रैक्टर की तरह कार्बन-डाईक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड उत्पन्न नहीं करता है, ताकि प्रदूषण न हो।
- शोर कम करता है।
- कम यांत्रिक कंपन है।
- ई-ट्रैक्टर में चालक के पास इंजन नहीं लगा होता, जिससे न गर्मी, न शोर और न ही कंपन का एहसास होगा।

आज ही कर सकते हैं आवेदन : एचएयू के कुलपति बीआर कंबोज ने बताया कि किसान या आमजन यदि ई-ट्रैक्टर पाने के लिए आवेदन करता है तो 3 माह में उसे चाबी मिल जाएगी। विशेष बात है कि यदि ई-ट्रैक्टर का कोई उपकरण खराब होता है तो हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से प्राप्त कर सकता है। कुलपति ने बताया कि अगर कोई आवेदन करना चाहता है तो वह एचएयू से संपर्क कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.10.21	5	1-4

9 घंटे चार्ज करके 80 किलोमीटर चलेगा एच.ए.यू. का ई-ट्रैक्टर

- **डीजल के मुकाबले 32 प्रतिशत रहेगा सस्ता, किसान की सेहत व पर्यावरण के लिए भी लाभदायक**
- **ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला पहला विश्वविद्यालय बना, एच.ए.यू.**

हिसार, 16 अक्तूबर (संदीप): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला संस्थान बन गया है। यहां के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलने वाला यह टैक्टर डीजल वाले के मुकाबले 32 प्रतिशत किफायती है।

कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रैलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इसके प्रयोग से किसानों की आमदनी में काफी भी इजाफा होगा। इस अनुसंधान उपलब्धि का श्रेय कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन को जाता है।

ई-ट्रैक्टर के साथ कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज, व वैज्ञानिक।

ये हैं ई-ट्रैक्टर की खासियतें : कुलपति ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के पारफॉर्मैन्स की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। इसकी बैटरी 9 घंटे में फुल चार्ज हो जाती है, जिसमें 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। इसके बाद यह ई-ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के लोडिड ट्रैलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है, जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ड्रा-बार पुल है। लागत के हिसाब से ई-ट्रैक्टर डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। वाइब्रेशन व शोर प्रदूषण की बात की जाए तो आम टैक्टर के मुकाबले क्रमशः 52 व 20.52 प्रतिशत कम पाया गया, जो ईको फ्रैंडली है। इसके अलावा ऑप्रेटर के पास इंजन न होने के कारण तपिश में भी आरामदायक साबित होगा। हर मामले किफायती होने के चलते इससे किसानों की आमदनी में भी इजाफा होगा।

इस अवसर पर श्री एम. एल. मेहता, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी तथा विकास गोयल, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. अमरजीत कालरा, डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एस. के. सहरावत, निदेशक अनुसंधान, डॉ. अतुल ढींगरा, डीन पी.जी.एस और डॉ. विजया रानी, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग ने इस ई-ट्रैक्टर की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.10.21	2	1-5

तकनीक • एचएयू का दावा- ई-ट्रैक्टर 1.5 टन वजन लेकर जा सकता है 80 किलोमीटर, 23.17 अधिकतम स्पीड

एचएयू ने बनाया सस्ता और किफायती इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। एचएयू के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है, जो 16.2 किलोवाट की बैट्री से चलता है। डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसे चलाने की लागत बहुत कम है। ई-ट्रैक्टर अन्य डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले 32 से 25.72 प्रतिशत तक सस्ता भी है। एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने रविवार को एचएयू में प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। वीसी ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

जानिए.. एचएयू में तैयार किए ई-ट्रैक्टर की खासियतें

▪ 9 घंटे में चार्ज होगी बैट्री: ई-ट्रैक्टर में 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैट्री का इस्तेमाल किया गया। इसे 9 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। इसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है। जिससे बैट्री 4 घंटे में चार्ज हो जाती है। ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ड्राबार पुल है। यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले 32 से 25.72% तक सस्ता है।

▪ ई-ट्रैक्टर की परफॉर्मेंस: इसमें 52% कम्पन व 20.52% शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन न होने के कारण तपिश भी पैदा नहीं होती। ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है।

▪ कीमत 6 लाख रुपए ई-ट्रैक्टर की कीमत करीब 6 लाख रुपए रखी गई है। डीजल के बढ़ते हुए दामों को देखते हुए यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा, जिससे उनकी आमदनी में भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Times of India	18.10.21	2	1-4

HAU develops low-running cost electric tractor with 80km battery capacity

Kumar Mukesh | TNN

Hisar: The College of Agricultural Engineering and Technology (COAE&T) of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar, has developed an electric tractor. It has become the first agricultural university in the country to conduct research on electric tractors. The tractor is powered by a 16.2-kilowatt battery, and its running cost is very less as compared to diesel tractor.

HAU vice-chancellor Professor B R Kamboj said this e-tractor can run at a top speed of 23.17 km per hour and travels up to 80 km with trailer weighing 1.5 tonnes. The use of this e-tractor will help farmers to increase their income, the VC said.

TOI

The 16.2 kilowatt tractor

This research has been accomplished by MTech student Venkatesh Shinde under the guidance of Mukesh Jain, scientist, department of farm machinery and power engineering, COAE&T and director, Northern Region Farm Machinery Training and Testing Institute, Hisar.

"There are about 80 lakh tractors in India of which about 4 lakh tractors are in the state of Haryana. The annual pollution due to carbon dioxide production by tractors below 30 hp is 46 lakh tonne in India and 2.3 lakh tonne in Haryana. If we replace diesel tractors with battery-operated tractors, then this amount of pollution can be reduced," the VC said.

He said average farm power availability in India is 2.0 kWh per hectare, while in developed countries it is around 15 kWh per hectare.

Due to the huge gap, there is a lot of scope for mechanization, and hence, development of battery-operated tractor will not only help in decreasing pollution level, but in increasing the level of mechanization, Kamboj said.

Further, the hourly cost of operating a battery-operated tractor with rotavator and mould board plough is Rs 332 and Rs 301, respectively, instead of Rs 447 and Rs 353 with diesel tractor.

The cost of operating an electric tractor is 15 to 25% (Rs/h) cheaper than that of a diesel tractor. These costs have been calculated based on the domestic electricity rate, otherwise the cost of operation will be even lower, he said.

"Being a prototype model, the battery-operated tractor costs around Rs 6.5 lakh while a diesel tractor with the same HP costs Rs 4.50 lakh. If the battery-operated tractor is manufactured on a large scale, then its price will come at par with the diesel tractor," he said.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.10.21	2	5-8

एचएयू ने तैयार किया पहला ई-ट्रैक्टर, डीजल इंजन जितनी क्षमता

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दो वर्ष से इलेक्ट्रिक तकनीक पर शोध कर रहा था। मिशन था कि किसानों को ई-ट्रैक्टर दिया जाए। विवि के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कालेज ने ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर डीजल इंजन जितनी ही क्षमता रखता है। यह पूरी तरह से लिथियम बैट्री पर चलता है और डेढ़ टन तक वजन भी खींच सकता है।

रविवार को एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने ई-ट्रैक्टर ग्रीन ट्रैक विकास को लांच किया। इस ट्रैक्टर के अनुसंधान में कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के विज्ञानी एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान डा. मुकेश जैन ने भी प्रमुख भूमिका निभाई है। ट्रैक्टर की खास बात यह है कि बाजार में उपलब्ध अन्य ई-ट्रैक्टरों की तुलना में यह अधिक क्षमता का और बेहतर है। ट्रैक्टर में 30 ही कलपुर्जे लगे हैं इसलिए इसकी मरम्मत भी कम है। यह ट्रैक्टर स्टार्ट खड़ा है तो बैट्री खर्च नहीं होगी, चलाने पर ही बैट्री की खपत होगी।

चार घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है ई-ट्रैक्टर : ई-ट्रैक्टर की परफार्मेंस की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैट्री का इस्तेमाल किया गया। बैट्री को नौ घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है।

हिसार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर का शुभारंभ करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज । • जागरण

ये हैं ट्रैक्टर की खासियत : इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैट्री से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत कम है। यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किमी प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है और 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। मौजूदा समय में इसकी छह लाख रुपये कीमत है। हालांकि विज्ञानी इस पर और भी शोध कर इसे सस्ता बना रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	18.10.21	3	1-6

किसानों को होगा फायदा डीजल के मुकाबले पड़ेगा सस्ता

कृषि विश्वविद्यालय ने मैदान में उतारा ई-ट्रैक्टर, एक बार की चार्जिंग में चलेगा 80 किलोमीटर

नरेंद्र ख्यालिया/ट्रिस
हिसार, 17 अक्तूबर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएसएचएयू) के वैज्ञानिकों ने ई-ट्रैक्टर विकसित किया है। इस ई-ट्रैक्टर की बैटरी 9 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी और इसमें ट्रैक्टर 80 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेगा। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला हकृवि पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। ट्रैक्टर की लांचिंग के अवसर पर पूर्व निदेशक केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान बुदनी के पूर्व निदेशक एमएल मेहता, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता विकास गोयल, डॉ. अमरजीत कालरा डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एसकेसहरावत निदेशक अनुसंधान सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे। ई ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से बात की जाए तो यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कंपन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। इसमें इंजन न होने के कारण गर्मी भी नहीं लगती।

किसानों के लिए होगा लाभकारी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है। यह ट्रैक्टर किसानों के लिए बहुत ही किफायती होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

- आवाज होगी कम, साथ ही कंपन भी कम करेगा ई-ट्रैक्टर

हिसार में रविवार को हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किये ई-ट्रैक्टर को चलाते कुलपति बीआर काम्बोज। -ट्रिस

ये हैं विशेषताएं

16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। बैटरी को 9 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकेगा। जिससे 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। इतना ही नहीं, ई-ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। जिसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है, जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। इस ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ड्राबार पुल है। किसानों को सस्ता पड़ेगा। इसका डिजाइन काफी अच्छा है। चलाने में किसानों को काफी आराम देगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	18.10.21	3	1-6

किसानों को होगा फायदा **डीजल के मुकाबले पड़ेगा सस्ता**

कृषि विश्वविद्यालय ने मैदान में उतारा ई-ट्रैक्टर, एक बार की चार्जिंग में चलेगा 80 किलोमीटर

नरेंद्र ख्यालिया/निस
हिसार, 17 अक्तूबर

■ आवाज होगी कम, साथ ही कंपन भी कम करेगा ई-ट्रैक्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएसएचएयू) के वैज्ञानिकों ने ई-ट्रैक्टर विकसित किया है। इस ई-ट्रैक्टर की बैटरी 9 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी और इसमें ट्रैक्टर 80 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेगा। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला हकृवि पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। ट्रैक्टर की लांचिंग के अवसर पर पूर्व निदेशक केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान बुदनी के पूर्व निदेशक एमएल मेहता, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता विकास गोयल, डॉ. अमरजीत कालरा डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एसकेसहरावत निदेशक अनुसंधान सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे। ई ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से बात की जाए तो यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कंपन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। इसमें इंजन न होने के कारण गर्मी भी नहीं लगती।

हिसार में रविवार को हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किये ई-ट्रैक्टर को चलाते कुलपति बीआर काम्बोज। निस

ये हैं विशेषताएं

16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। बैटरी को 9 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकेगा। जिससे 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। इतना ही नहीं, ई-ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। जिसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है, जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। इस ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का इबार पुल है। किसानों को सस्ता पड़ेगा। इसका डिजाइन काफी अच्छा है। चलाने में किसानों को काफी आराम देगा।

किसानों के लिए होगा लाभकारी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है। यह ट्रैक्टर किसानों के लिए बहुत ही किफायती होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.10.21	--	--

एचएयू ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला पहला विश्वविद्यालय बना

- एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-ट्रैक्टर

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसन्धान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है। इस बैटरी को 09 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आदमनी में काफी भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

ये है ट्रैक्टर की खासियत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के परफॉरमन्स की बात की जाए तो इसमें फ़ास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ड्राबार पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले सस्ता है। ट्रैक्टर में कम्पन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन ना होने के कारण तपिश भी पैदा नही होती जो ऑपरेटर के लिए बिलकुल आरामदायक साबित होगा। उनके अनुसार डीजल के बढ़ते हुये दामों को देखते हुये यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा जिससे उनकी आदमनी में भी इजाफा होगा। इस अवसर पर एमएल मेहता, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी तथा विकास गोयल, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. अमरजीत कालरा, डीन इंजीनियरिंग कॉलेज, डा. एसके सहरावत, निदेशक अनुसंधान, डा. अतुल ढींगरा, डीन पी.जी.एस और डा. विजया रानी, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग ने बैटरी से चलने वाला ट्रैक्टर के विकास की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	17.10.21	--	--

हकृवि ने तैयार किया इ ट्रैक्टर, डीजल की तुलना में सस्ता

हिसार/17 अक्तूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई.ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह ई.ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान डॉ मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई

खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया। कुलपति ने बताया कि ई.ट्रैक्टर के परफॉर्मन्स की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। इस बैटरी को 09 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 यूनिट बिजली की खपत होती है। इसमें फास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घंटे में चार्ज कर सकते हैं। ट्रैक्टर में शानदार 77 प्रतिशत का ड्राबार पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कंपन और शोर की बात की जाए तो इसमें 52 प्रतिशत कम्पन और 20.52 प्रतिशत शोर बीआईएस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से कम पाया गया। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन ना होने के कारण तपिश भी पैदा नही होती जो ऑपरेटर के लिए बिलकुल आरामदायक साबित होगा। उनके अनुसार डीजल के बढ़ते हुए दामों को देखते हुए यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Times Bureau	18-10-2021		

THE TIMES BUREAU

HAU is developing a low-cost electric tractor

The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has developed an electric tractor. It has been the first agricultural university in the United States to conduct research on electric tractors. The tractor is based on a 16.

Hisar: The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Department of Agricultural Engineering and Technology (COA&AT), has developed an electric tractor.It has been the first agricultural university in the United States to conduct research on electric tractors.The tractor is based on a 16.2-kilowatt battery, and its operating cost is much lower than a diesel tractor.According to Professor B R Kamboj, HAU vice-chancellor, the e-tractor can reach speeds of 20.17 km/h and travels up to 80 kilometers on a 15-tonne trailer.

MTech student Venkatesh Shinde conducted the study under the supervision of Mukesh Jain, professor, department of farm machinery and power engineering, COA&AE, and director, Northern Region Farm Machinery Training and Testing Institute, Hisar.In India, there are about 80 lakh tractors, of which about 4 lakh are in the state of Haryana.The average amount of carbon dioxide produced by tractor with 30 hp is 46 lakh tonnes in India and 2.3 lakh tonnes in Haryana.According to the VC, this amount of waste can be reduced by replacing diesel tractors with battery-operated tractors.

Due to the large gap, there is a lot of room for mechanisation, and Kamboj said that the advancement of a battery-operated tractor would not only reduce the pollutant content but also raise the efficiency of mechanisation.In addition, an hourly rate for running a battery-operated tractor with rotavanator and mould board plough is Rs 332 and Rs 301, respectively, compared to Rs 447 and Rs 350 for a diesel tractor.An electric tractor costs 15 to 25% less (Rs4) than a